**भारत सरकार**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**
**पशुपालन और डेयरी विभाग**
**लोकसभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या- 4921**
**दिनांक 01 अप्रैल, 2025 के लिए प्रश्न**

## राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड

**4921. श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः**

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड मवेशियों की खाल और हड्डियों के प्रसंस्करण के लिए गांवों के स्तर पर छोटी सहकारी समितियों के गठन की योजना बना रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार ने सहकारी समितियों को गोबर और बायोगैस उत्पादन की प्रक्रिया में निजी डेयरियों की मदद करने का निर्देश दिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) डेयरी क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली मशीनरी का उत्पादन करने तथा उन्हें विदेश में निर्यात करने के लिए सहकारी इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री**
**(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)**

(क) और (ख) पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने दिनांक 3 मार्च 2025 को दिल्ली में डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्क्युलेरिटी पर एक कार्यशाला आयोजित की थी। इस कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें बायोगैस मॉडल, खाद प्रबंधन, मृत पशुओं की त्वचा और हड्डियों का प्रसंस्करण तथा डेयरी सहकारी समितियों और निजी डेयरियों के माध्यम से सर्क्युलेरिटी शामिल थे।

जबकि, सहकारी समितियां संबंधित राज्य सहकारी समिति अधिनियमों के दायरे में आती हैं, क्योंकि सहकारी समितियां राज्य का विषय है, डीएएचडी सक्रिय रूप से डेयरी विकास योजनाओं को लागू कर रहा है। ये योजनाएँ पशुधन क्षेत्र में सर्क्युलेरिटी को प्रोत्साहित करते हुए डेयरी अवसंरचना को बढ़ाने और सुदृढ़ करने में राज्य सरकार को संपूरित करने और सहायता देने के लिए बनाई गई हैं।

(ग) भारत सरकार डेयरी मशीनरी और उपकरणों के स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। इस पहल का उद्देश्य न केवल आयात पर निर्भरता को कम करना है, बल्कि भारत की डेयरी अवसंरचना को उन्नत करना और वैश्विक स्तर पर निर्यात को बढ़ावा देना भी है। डेयरी सहकारी समितियां घरेलू स्तर पर उत्पादित डेयरी मशीनरी को प्राथमिकता देकर इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकती हैं।

**********